सत्रीय कार्य 2015-16
अध्ययन सत्र : जुलाई-दिसंबर 2015
पाठ्यक्रम : बी.एड.
सत्र - प्रथम सत्र

प्रिय छात्र /छात्राओं

जिन छात्रों ने बी.एड. प्रथम वर्ष में प्रवेश लिया है ऐसे सभी छात्रों की प्रवेश सूची विश्वविद्यालय के वेबसाइट पर उपलब्ध है। ऐसे सभी छात्रों को सूचित किया जाता है कि बी.एड.प्रथम सत्र के सत्रीय कार्य लिखकर मुख्यालय, वर्धा में प्रस्तुत करें। निम्नांकित के अनुसार बी.एड. प्रथम सत्र के सत्रीय कार्य हैं।

- शिक्षा 001 - शिक्षा एवं शिक्षा के प्रयोजन
- शिक्षा 002 - शिक्षार्थी एवं उसका संदर्भ
- शिक्षा 003 - समकालीन भारत एवं शिक्षा
- शिक्षा 004 - शिक्षा में सूचना एवं संचार तकनीकी
- शिक्षा 005 - विद्यालय संगठन एवं प्रशासन

उद्देश्य - सत्रीय कार्य का उद्देश्य यह जानना है कि आपने पाठ्यक्रम से संबंधित सामग्री को कितना पढ़ा,समझा है और उसका विवेचन विश्लेषण और मूल्यांकन करने की क्षमता कितनी अर्जित की है सत्रीय कार्यों का उद्देश्य यह भी है कि पाठ्य सामग्री के अध्ययन के पश्चात आप उसके संबंध में स्वयं अपना दृष्टिकोण विकसित कर सकें और उन्हें अपने शब्दों में लिख सकें। इसका तात्पर्य यह है कि विश्वविद्यालय द्वारा उपलब्ध कराई गई सामग्री को आप पुनः प्रस्तुत न करें बल्कि पूछे गए प्रश्नों का उत्तर सोच विचार कर अपने शब्दों में लिखें। आपके उत्तर में आपका अध्ययन, आलोचनात्मक दृष्टि, रचनाओं के बारे आपकी अपनी समझ और भाषा पर आपका अधिकार व्यक्त होना चाहिए। आपके सत्रीय कार्य का मूल्यांकन करते हुए परीक्षक इन सभी बातों को ध्यान में रखेंगे।

निर्देश- सत्रीय कार्य आरंभ करने से पूर्व निम्नलिखित बातों को ध्यान से पढ़िए -

1. अपनी उत्तर पुस्तिका के पहले पृष्ठ के दाएं सिरे पर अपना अनुक्रमांक, नाम,पूरा पता, और दिनांक लिखिए।
2. अपनी उत्तर पुस्तिकाओं की बाईं ओर पाठ्यक्रम का नाम, प्रश्न पत्र का शीर्षक एवं कोड संख्या स्पष्ट लिखें।

(Cover page) उत्तर पुस्तिका का प्रथम पृष्ठ निम्न प्रकार से शुरू होगा :

पंजीयन संख्या :

नामांकन संख्या :

नाम :

पता :

मो.:

ई-मेल

दिनांक :

पाठ्यक्रम का नाम : बी.एड.

प्रश्न पत्र का शीर्षक:

प्रश्न-पत्र कोड :

विद्यार्थी हस्ताक्षर

प्रस्तुत सत्रीयकार्य को स्वयं मेरे द्वारा करने के पश्चात हस्ताक्षरित कर प्रस्तुत किया जा रहा है।

- उत्तर के लिए केवल फुलस्केप (A4)आकार के कागज का इस्तेमाल करें और उन सभी कागजों को अच्छी तरह से बांध लें।
- प्रत्येक उत्तर से पहले प्रश्न संख्या अवश्य लिखें।
- अपनी हस्तलिपि(Handwritten) में उत्तर दें।

प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित निर्देशों का सावधानी पूर्वक अध्ययन करें:

- प्रश्नों में जो पूछा गया है उसको अच्छी तरह समझ कर उत्तर लिखें। जो नहीं पूछा गया है, उसे न लिखें। जितना पूछा गया है, उतना ही लिखें। आपका उत्तर सुसंगत,सुबोधगम्य और स्पष्ट हो।
- अपने पास सत्रीय कार्य के उत्तर की छाया प्रति अवश्य रखें।
शुभकामनाओं के साथ।

(पाठ्यक्रम संयोजक)

सत्रीय कार्य भेजने का पता :

निदेशक,दूर शिक्षा निदेशालय

पोस्ट - हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स,

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

वर्धा - 442001 (महाराष्ट्र)

फोन/फैक्स नं.- 07152- 247146

ई-मेल: mgahvdistexam@gmail.com

वेब साईट : www.hindivishwa.org

सत्रीय कार्य प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि- 12 अप्रैल 2016

बी.एड. प्रथम सत्र
(सत्रीय कार्य सत्र : जुलाई-दिसंबर 2015-16)

प्रश्न पत्र कोड	:	शिक्षा- 001
प्रश्न पत्र	:	शिक्षा एवं शिक्षा के प्रयोजन
सत्रीय कार्य	:	जुलाई- दिसंबर 2015
अंतिम तिथि	:	12 अप्रैल 2016 तक दूर शिक्षा निदेशालय, वर्धा में प्रस्तुत करें।

सूचना : निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर स्व हस्ताक्षर में लिख कर विश्वविद्यालय के बी.एड. पाठ्यक्रम संयोजक के पास जमा करें।

1. शिक्षा क्या है ? शिक्षा के उद्देश्य बताते हुए इसकी अवधारणा स्पष्ट कीजिए।
2. सीखना किसे कहते हैं ? विभिन्न मनोवैज्ञानिकों द्वारा बताए गए सीखने के सिद्धांत की संक्षेप में विवेचना कीजिए।
3. ज्ञान प्राप्ति के साधनों के सन्दर्भ में खोज, सूचना, आगमन व निगमन, अनुभव, अन्वेषण तथा संवाद का संक्षेप में वर्णन कीजिए।
4. पाश्चात्य शिक्षाशास्त्रियों- प्लेटो, अरस्तु, रूसो तथा डीवी. के शैक्षिक दर्शन की तुलनात्मक विवेचना कीजिए।
5. भारतीय दर्शन - न्याय, वैशेषिक, सांख्य, योग तथा वेदान्त दर्शनके अनुर शिक्षा की अवधारणाएं स्पष्ट कीजिए।
6. महात्मा गांधी, रवीन्द्र नाथ टैगोर, तथा स्वामी विवेकानन्द के शिक्षा के विभिन्न क्षेत्रों में योगदान की विवेचना कीजिए।
7. मूल्य क्या है ? मूल्यों का महत्व बताते हुए मूल्यों के विकास में शिक्षा का योगदान समझाइये।

बी.एड. प्रथम सत्र
(सत्रीय कार्य सत्र : जुलाई-दिसंबर 2015-16)

प्रश्न पत्र कोड	:	शिक्षा- 002
प्रश्न पत्र	:	शिक्षार्थी एवं उसका संदर्भ
सत्रीय कार्य	:	जुलाई- दिसंबर 2015
अंतिम तिथि	:	12 अप्रैल 2016 तक दूर शिक्षा निदेशालय, वर्धा में प्रस्तुत करें।

सूचना : निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर स्व हस्ताक्षर में लिख कर विश्वविद्यालय के बी.एड. पाठ्यक्रम संयोजक के पास जमा करें।

1. वृद्धि और विकास में अंतर स्पष्ट करते हुए विकास के विभिन्न सिद्धांतों की सोदाहरण विवेचना कीजिए।
2. संज्ञान का अर्थ स्पष्ट कीजिए। पियाजे द्वारा प्रस्तुत संज्ञानात्मक विकास की अवस्थाओं के बारे में चर्चा कीजिए।
3. वायगॉत्सकी के सिद्धांत को स्पष्ट करते हुए वायगॉत्सकी के सिद्धांत की सीमाएँ बताएं।
4. इरिकसन के मनो-सामाजिक सिद्धांतों के कारकों के बारे में चर्चा कीजिए।
5. कोहलबर्ग के नैतिक विकास सिद्धांत को स्पष्ट कीजिए।
6. "बाल्यावस्था जीवन का अनोखा काल होता है"। स्पष्ट कीजिए।
7. किशोरावस्था को जीवन का सबसे कठिन काल क्यों कहा जाता है? स्पष्ट कीजिए।

बी.एड. प्रथम सत्र
(सत्रीय कार्य सत्र : जुलाई-दिसंबर 2015-16)

.....

प्रश्न पत्र कोड : शिक्षा- 003
प्रश्न पत्र : समकालीन भारत एवं शिक्षा
सत्रीय कार्य : जुलाई- दिसंबर 2015
अंतिम तिथि : 12 अप्रैल 2016 तक दूर शिक्षा निदेशालय,वर्धा में प्रस्तुत करें।

.....

सूचना : निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही पांच प्रश्नों के उत्तर स्व हस्ताक्षर में लिख कर विश्वविद्यालय के बी.एड. पाठ्यक्रम संयोजक के पास जमा करें।

१. वैदिककालीन शिक्षा, बौद्ध शिक्षा और मुस्लिम शिक्षा में अंतर स्पष्ट कीजिए।
२. विश्वविद्यालय आयोग और मुदालियर आयोग के गुण और दोष बताइए।
३. राष्ट्रीय शिक्षा नीति की समीक्षा कीजिए |
४. शिक्षा के केन्द्रीय अभिकरणों की भूमिका स्पष्ट कीजिए।
५. शिक्षा का अधिकार 2009 अधिनियम के बारे में चर्चा कीजिए |
६. महिलाओं की शिक्षा और आदिवासियों की शिक्षा के लिए भारत में प्रचलित योजनाओं का वर्णन कीजिए।
७. प्रगतिशील विद्यालयों का वर्णन करते हुए उनकी विशेषताएं बताइये।

बी.एड. प्रथम सत्र
(सत्रीय कार्य सत्र : जुलाई-दिसंबर 2015-16)

प्रश्न पत्र कोड	:	शिक्षा- 004
प्रश्न पत्र	:	शिक्षा में सूचना एवं संचार तकनीकी
सत्रीय कार्य	:	जुलाई- दिसंबर 2015
अंतिम तिथि	:	12 अप्रैल 2016 तक दूर शिक्षा निदेशालय, वर्धा में प्रस्तुत करें।

सूचना : निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर स्व हस्ताक्षर में लिख कर विश्वविद्यालय के बी.एड. पाठ्यक्रम संयोजक के पास जमा करें।

1. सूचना एवं संचार तकनीकी के विभिन्न साधनों की विभिन्न क्षेत्र में उपयोगिता एवं महत्व बताईए |
2. अभिक्रमित अनुदेशन एवं संगणक सहायक अनुदेशन की उपयोगिता, विशेषता और संरचना के आधार पर तुलनात्मक विवेचना कीजिए |
3. सूचना एवं संचार तकनीकी की ज्ञान निर्माण में भूमिका स्पष्ट कीजिए |
4. ज्ञान निर्माण में स्मार्ट क्लासरूम की भूमिका स्पष्ट कीजिए |
5. विद्यालय प्रबंधन में आई. सी. टी.की उपयोगिता स्पष्ट कीजिए |
6. आई. सी. टी. आधारित शैक्षिक कार्यक्रम उदहारण के साथ विश्लेषित कीजिए |
7. भाषा अध्ययन में भाषा प्रयोगशाला का महत्व, लाभ एवं सीमाओं का वर्णन कीजिए|

बी.एड. प्रथम सत्र
(सत्रीय कार्य सत्र : जुलाई-दिसंबर 2015-16)

प्रश्न पत्र कोड	:	शिक्षा- 005
प्रश्न पत्र	:	विद्यालय संगठन एवं प्रशासन
सत्रीय कार्य	:	जुलाई- दिसंबर 2015
अंतिम तिथि	:	12 अप्रैल 2016 तक दूर शिक्षा निदेशालय, वर्धा में प्रस्तुत करें।

सूचना : निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर स्व हस्ताक्षर में लिख कर विश्वविद्यालय के बी.एड. पाठ्यक्रम संयोजक के पास जमा करें।

1. केंद्रीय स्तर पर और राज्य स्तर पर शिक्षा प्रशासन के ढांचे का विवरण दीजिए।
2. एन.सी.ई.आर.टी. और एस.सी.ई.आर.टी.के कार्यों की तुलना कीजिए।
3. शैक्षिक प्रबंधन की आवश्यकता एवं महत्व की चर्चा कीजिए।
4. विद्यालय परिसर में किन-किन भवनों का होना आवश्यक है ? चर्चा कीजिए।
5. विद्यालय बजट निर्माण प्रक्रिया की जानकारी दीजिए।
6. 'समय सारिणी विद्यालय का आइना है' । स्पष्ट कीजिए।
7. नेतृत्व के लिए आवश्यक गुणों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए तथा प्राचार्य की पर्यवेक्षण में भूमिका स्पष्ट कीजिए।